प्रेम सागर उनियाल

जल बचाओ

जल बचाओ

जल ही जीवन, इसे बचाओ
नभ, जल, थल में, जल ही जीवन
हम सबका है, यह कर्तव्य
व्यर्थ न गंवाओं, जल को

पशु-पक्षी, पेड़-पौधे या इंसान
जल के बिना सभी परेशान
जल का जीवन से है नाता
बिन जल सब कुछ है सूना
जल ही जीवन, इसे बचाओ।

खेती-बाड़ी या हो सिंचाई
जल की महत्ता अपरम्पार
चलते-चलते जब थक जाओ
लग जाती है सबको प्यास
जल ही जीवन, इसे बचाओ।

चाहे कोई भी हो महीना
हर पल जरूरी है जल संचय
सर्दी, गर्मी या हो बरसात
जल के बिना सब कुछ बरबाद
जल ही जीवन, इसे बचाओ।

बिना भोजन के काम चले
पर ना चले बिन जल के काम
जब-जब वर्षा होगी
धरती होगी रिचार्ज
जल ही जीवन, इसे बचाओ।
जल ही जीवन, इसे बचाओ।

जल है जरूरी

पानी बरसे पानी बरसे
बरसे जब-जब पानी
हो जाती है धरती हमारी
पानी ही पानी, पानी ही पानी।।

मेघ बरसे झर-झर-झर
हवा चले जब फर-फर-फर
धरती भी गीली, हवा भी गीली
पेड़-पौधे गीले-गीले।।

नभ से पानी धरती सोखे
ठंडी-ठंडी हवा चले जब
सर्द हवाएं, सोंधी खुशबू
धरती पीये, पानी ही पानी।।

मेघ बरसे जब-जब
धरती में होवे जल ही जल
हर पल ऐसा जीवन चलता
तो धरती होती रहे रिचार्ज।।

पेड़-पौधों को चाहिए पानी
जीव-जन्तु हो या इंसान
पानी पर सब रहे निर्भर
हर पल व हर बार।।

गर्मी हो या मौसम सर्द
ऋतु कोई भी हो आई
जल तो जरूरी ही है
बिन जल सब बेकार।।

पानी से जीवन अनमोल
पानी से ही जीवन खुशहाल
धरती में हो जब ज्यादा जल
तभी मिले सभी को जल।।

जल ही जीवन

जल ही जीवन
जल, जल, जंगल के बल पर
पल-पल जीवन के रंग में
जल की महिमा है अपार।।

जल ही जीवन, जल हो पूरा
जल के बिना, जीवन है अधूरा
जल से बनता है जीवन
बनता है खुशहाल जीवन।।

जल ही जीवन
बिन जल सब बेकार
जल से संवरे रंग-रूप
जल की महिमा अपरम्पार।।

जल ही जीवन, जल ही जीवन
हर पल संवारो, जल से जीवन,
सदा रखो जल की महिमा
जल से बनता जीवन अपार।।

संपर्क करें।
प्रेम सागर उनियाल
आई.आर.आई. रुड़की।